पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

पांतली

गाँव-पांतली

पंचायत-पुनाली

तहसील-दोवडा, जिला-डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

पांतली गाँव का परिचय

पांतली गाँव पुनाली ग्राम पंचायत का एक राजस्व गाँव है, जो जिला मुख्यालय डूंगरपुर से 24किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में बसा हुआ है। पुनाली पंचायत में 5 गाँव हैं-पुनाली, वाडापुनाली, पांतली, नयागाँव पुनाली और गेहुवाडा। पांतली गाँव के सबसे निकटवर्ती गाँव हैं- गेहुवाडा, नागेला, पुनाली, नयागाँव पुनाली, कालुगामडा, बीकासोर, सिमलघाटी, दामडी, डाबेला, नरनिया, चितरेटी ।

पांतली गाँव के 5 फले हैं-

1. कमलोता फला
2. बोर पाडला
3. डूंगरी फला
4. सागारेट
5. पांतली खास

पांतली गाँव में शिलालेख 9 जून, 2018 को हुआ और शिलालेख के दिन ही गाँव सभा का गठन भी कर दिया गया। पांतली गाँव में 398 घर हैं। गाँव की आबादी लगभग 2000 है। गाँव में एस.टी. जाति के अलावा ओ.बी.सी. और सामान्य जाति के लोग भी निवास करते हैं। एस.टी. जाति में अहारी, परमार, कटारा, ननोमा, बरंडा, डिन्डोर और रोत उपजाति के लोग हैं। इनके साथ ही कुम्हार, दर्जी, नाई और राजपूत समाज के लोग भी रहते हैं। गाँव के करीब 35 लोग अलग-अलग सरकारी विभागों में नौकरी करते हैं। गाँव में अधिकतर लोगों को पेसा कानून की जानकारी है। हर माह एक निश्चित तारीख को गाँव सभा की बैठक की जाती है। गाँव में वागड़ मजदूर किसान संगठन के कार्यकताओं के द्वारा पेसा कानून की जानकारी और जागरूकता का प्रसार करने के लिए बैठकें और कार्यशालायें आयोजित की जाती हैं। गाँव की पूरी जमीन का रकबा 277 हेक्टेयर है, जिसमें कृषि योग्य जमीन, बिलानाम जमीन और जंगल की जमीन शामिल है। गाँव में चारागाह और बड़े पहाड़ बिल्कुल नहीं हैं। कुछ छोटी-छोटी डूंगरीया हैं, जिन पर लोग घर बना कर रहते हैं। गाँव में शुद्ध पेयजल सुविधा के लिए आर.ओ., राशन की दुकान, उप-स्वास्थ्य केंद्र है।

यातायात

पांतली जाने के लिए डूंगरपुर के मुख्य बस स्टैंड से आसपुर जाने वाली बस से पुनाली गाँव में उतर कर ऑटो से पांतली गाँव जाया जा सकता है। डूंगरपुर से पुनाली के लिए सरकारी और प्राइवेट बस दोनों ही मिल जाती है। पुनाली से पांतली गाँव 4 किमी दूर है। गाँव में 3 पक्की सड़कें, 1 सी.सी. सड़क और 5 कच्ची सड़के हैं। सी.सी. सड़क और कच्ची सड़क गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए है। गाँव की एक मुख्य पक्की सड़क गाँव रामगढ़ से नारनिया जाती है। दूसरी मुख्य पक्की सड़क पुनाली से गेहुवाडा जाती है। एक पक्की सड़क छोटी है, जो गाँव में खत्म हो जाती है। गाँव में बस स्टैंड नहीं है। इसके लिए 4

किमी दूर पुनाली आना पड़ता है, जहाँ से बस, ऑटो, जीप दूसरे गाँव में जाने के लिए मिल जाते हैं। गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे ऑटो, मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है। खरीदारी के लिए बड़ा बाजार 4 किमी दूर पुनाली में है और मुख्य बाजार डूंगरपुर 24 किमी दूर आना पड़ता है, जहाँ पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है।

पेयजल की सुविधा

गाँव में 10 कुएं और 10 से अधिक हैंडपंप है और एक सरकारी आर.ओ. लगा है। गाँव के मात्र 4 हैंडपंप ही गर्मी में चालू रहते हैं। 6 हैंडपंप पाइप में जंग और आयरन की वजह से छेद हो जाने के कारण ख़राब हो गये है। चालू पेयजल स्रोतों के पानी में फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा है, जिस कारण बीमारियाँ हो जाती है। जानकारी के अभाव और शुद्द पानी के श्रोतों के अभाव में में गाँव के लोग इसी को उपयोग में लेते हैं।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कृषि योग्य जमीन पर गेहूँ, मक्का, उडद, ज्वार, तुअर, मूंग और चना की खेती की जाती है। जिन लोगो के पास निजी बोरवेल और गहरे कुएं हैं, वे ही धान, गेहूँ और सरसों की खेती कर पाते हैं। गाँव में नदी, नाले, चेकडैम और नहर की सुविधा नहीं है। सिंचाई के पानी की कमी के चलते खाद्य ऊपज चार या पांच माह खाने भर की ही हो पाती है। कृषि जमीन भी ऊबड़-खाबड़ और पहाडियों की ढलान वाली है। जमीन समतल नहीं होने से खेती करने में कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रोजगार के नाम पर मनरेगा में मजदूरी और दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। मनरेगा में साल में 30-40 दिन के लिए ही काम मिल पाता है। इसके अलावा युवा लोग डूंगरपुर शहर में आते हैं। पड़ोसी गुजरात राज्य के अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर भी जाते हैं, जहाँ वे कपास के खेतों, आइसक्रीम फैक्ट्री या कपड़ा मिलों में काम करते हैं। अधिकतर लोग गुजरात में नमकीन बनाने की कम्पनियों में काम करते हैं।

सिंचाई एवं पशुपालन

गाँव में सिंचाई के बड़े स्रोत नहीं हैं। गाँव में 3 तालाब, 4 एनिकट, 10 कुएं और 3 या 4 निजी बोरवेल हैं। ग्रीष्म ऋतु में आधे कुओं में ही पानी शेष रहता है। गर्मियों में सभी जल स्रोतों में पानी का जल स्तर नीचे चला जाता है और इनमे पानी की कमी हो जाती है, क्योंकि इनकी देखभाल और साफ़-सफाई समय पर नहीं की जाती है। गाँव के तीनों तालाबों में से सिर्फ एक नागेला तालाब में ही साल भर पानी रहता है। इसके पानी में मोटर लगाकर लोग खेतों की सिंचाई करते है और पशुओ कों पानी पिलाते हैं। लेकिन इसकी भी पाल मरम्मत और गहरीकरण पर ध्यान नहीं दिया जाता है। सम्भव है कि आने वाले कुछ सालों में यह भी अन्य तालाब की तरह उथला होकर खत्म हो जाये। 2 तालाब छोटे हैं, जिनके पैंदे में लोगो ने बोरवेल लगा रखी है। इस कारण तालाबों में पानी नहीं रहता है। चालू कुओं से पशुओ के पीने के

पानी का बंदोबस्त किया जाता है। वर्तमान में पानी का स्तर 250 फीट से नीचे चला गया है. जो कि भविष्य में पानी को सहेजने के प्रति जागरूक न होने पर और भी गहरे में जाएगा। गाँव के लोग बकरी, गाय और भैंस जैसे दुधारू पशु पालते हैं। इसके अलावा मांस के लिए मुर्गी पालन और बकरे भी पालते है। गाँव के जंगल में जो घास उगती है, वो पशुपालन के लिए पर्याप्त नहीं है। खेती में भी पर्याप्त चारा नहीं हो पाता है। जिस कारण चारा गुजरात राज्य या उदयपुर जिले के गाँवो से खरीद कर लाना पड़ता है। चारे की एक पुली (गट्टर) 5 से 7 रुपये में पड़ती है।

शिक्षा व स्वास्थय

गाँव में 2 प्राथमिक विद्यालय और 1 रा.मा.वि. है। एक प्राथमिक विद्यालय पांतली और दूसरा प्राथमिक विद्यालय सागारेट फले में है। माध्यमिक विद्यालय पांतली में है। दोनों प्राथमिक स्कूलों में 175 छात्रों पर 4 अध्यापक नियुक्त हैं और माध्यमिक स्कूल में 275 छात्रों पर 12 अध्यापक नियुक्त हैं। स्कूलों में मिड-डे मिल बनाने के लिए रसोई घर हैं, लेकिन उनकी स्थिति अच्छी नहीं है। प्राथमिक स्कूलों में अध्यापन कक्ष कम हैं, जिससे दो कक्षायें एक साथ बैठती हैं। खेल का मैदान नहीं है। शौचालय की हालत भी अच्छी नहीं है। शौचालय में पानी की व्यवस्था नहीं है और साफ-सफाई भी नहीं होती है। इस कारण बच्चे बाहर खुले में शौच के लिए जाते हैं। अध्यापकों की कमी के कारण पढाई अच्छे से नहीं होती है। पढाई अच्छी ना होने के कारण गाँव के बच्चों का सीखने और ज्ञान का स्तर भी काफी निम्न है। माध्यमिक स्कूल में नियुक्त अध्यापक समय पर नहीं आते हैं। खेल के मैदान की स्थिति अच्छी नहीं है। शौचालयों में पानी की सुविधा नहीं है और न ही सफाई रहती है। छात्र-छात्राओ के लिए पीने के स्वच्छ पेयजल की सुविधा नहीं है। बच्चों को हैंडपंप का फ्लोराइड वाला पानी पीना पड़ता है। स्नातक स्तरीय पढाई के लिए 24 किमी दूर डूंगरपुर शहर जाना पड़ता है। अधिकतर बच्चे कॉलेज के पास ही किराये पर कमरे लेकर रहते हैं। गाँव में 4 आंगनवाड़िया हैं, जिनकी हालत तो अच्छी है लेकिन वहाँ मिलने वाले पोषाहार की ख़राब गुणवत्ता को लेकर क्षेत्रवासियों में शिकायत है। गाँव में एक उप-स्वास्थ्य केन्द्र है। वहाँ ए.एन.एम. बैठती है, जो दवाइयाँ दे देती है, लेकिन न तो पीने के पानी की व्यवस्था है और न ही शौचालय बना है। सरकारी अस्पताल 4 किमी दूर पुनाली गाँव में है। बडा अस्पताल 24किमी दूर डूंगरपुर में है। पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल और पोस्ट ऑफिस पुनाली गाँव में है।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के तीन चौथाई घरों में बिजली की सुविधा है। गाँव में पेंशन, राशन, आवास, उज्ज्वला गैस कनेक्शन जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है । गाँव में आधे से ज्यादा परिवारों को उज्जवला गैस कनेक्शन मिल चुका है। जिन लोगों को गैस कनेक्शन मिला है, उन्हें मिट्टी का तेल नहीं मिलता है, जिससे लोगों को रात अँधेरे में गुजारनी पड़ती है। गाँव में ही राशन की दुकान और पोस्ट ऑफिस भी है।

पांतली की चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधन

गाँव में जंगल की जमीन पर वन विभाग का कब्ज़ा है। पहले जंगल हरा-भरा था लेकिन वन विभाग के कब्जे में जाने के बाद जंगल बर्बाद हो गया है। अब वहाँ मात्र बबूल के पेड़ और झाड़ियाँ ही बची हैं। पहले गाँव में जंगल की जमीन भी काफी थी और आम, नीम और सागवान के पेड़ थे। अब सभी पेड़ो की कटाई हो चुकी है और जंगल खत्म हो गया है। गाँव में चारागाह की जमीन नहीं है। बिलानाम भूमि पर लोगों ने अपने खेत बना लिये है या कब्ज़ा कर लिया है।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में अधिकतर लोगों के पास खातेदारी हक नहीं है और यदि है भी तो न्यूनतम दो बीघा भूमि का पट्टा है। कृषि भूमि ऊबड़-खाबड़ और पथरीली है, जिसके लिए समतलीकरण की आवश्यकता है। गाँव में पानी की सुविधा के लिए 10 कुएं, 4 एनिकट और 3 तालाब हैं। 5 कुएं गहराई कम होने और जल-स्तर नीचे जाने के कारण सूखे ही रहते हैं। 4 एनिकट के बाँध की दिवार में रिसाव के कारण पानी साल भर नहीं रहता है और बारिश के बाद दो माह में ही खत्म हो जाता है। 2 तालाब में पानी नहीं टिकता है और वे गहरे भी नहीं है। सिर्फ 1 नागेला तालाब में ही साल भर पानी रहता है। उसके पानी से सिंचाई और पशुओ कों पीने का पानी मिल जाता है। लेकिन गाँव में असिंचित खेतों में पानी पहुँचाने के लिए नहर नहीं निकाली गयी है। असिंचित खेतों में सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उनमें केवल बारिश की पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है। गर्मियों के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। गाँव में पानी का स्तर 250 फीट से नीचे चला गया है। पेयजल की व्यवस्था के लिए गाँव में 10 हैण्डपम्प हैं, जिसमे से 6 हैंडपंप गर्मी के मौसम में सूख जाते हैं। सभी हैंडपंप और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है। गाँव में एक सरकारी आर.ओ. प्लांट भी लगा है। वर्षा के जल को संरक्षित करने के विषय की ओर हाल-फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है। गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है और ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है।

पशुपालन संबंधित समस्या

पांतली में प्रमुखतया गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। दुधारू पशुओं से इतना ही दूध हो पाता है कि घर के छोटे बच्चों का काम चल जाये। क्योंकि पशुओं को खिलने के लिए चारा पर्याप्त मात्रा में नहीं होता है। आवश्यकता पड़ने पर गाँव में किसी दुकान से खरीदते हैं। गाँव में चरागाह की जमीन गाँव वालों के कब्जे में है। खेती में सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेतों में पशुओं के लिए प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जा सकता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है, वह केवल चार या पाँच माह

ही चल पाता है। उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। चारे की एक पुली या गट्ठर सात रूपये में खरीदते हैं।

कृषि एवं खाद्यान्न की समस्या

पांतली गाँव में सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति बारिश के मौसम में ही हो पाती है। इस कारण खाद्द्यान्न फसल बारिश में ही पैदा होती है। गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। सिंचाई के संसाधन एनिकट, तालाब, कुएं आदि जर्जर और बेकार स्थिति में हैं। ग्रीष्म ऋतु में जिन खेतों में फसल उगती है, वे ज्यादातर बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जल स्तर 250 फीट से भी नीचे चला गया है। बरसात के पानी के संरक्षण पर अगर ध्यान नहीं दिया गया तो कुछ सालों बाद गाँव में पानी का स्तर और भी अधिक गहराई तक चला जाएगा। इसके साथ ही वर्तमान में बारिश की कम होती मात्रा और पानी को ना सहेजने की प्रवृति बनी रही तो गाँव में पीने तथा कृषि के लिए पानी का बड़ा संकट उत्पन्न होने वाला है। कृषि जमीन ऊबड़-खाबड़ और छोटी पहाड़ी वाली है, जिस पर खेती मुश्किल से हो पाती है। गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये करीब 10 कुऐं, 3 तालाब, 4 एनिकट हैं। लेकिन 1 बड़े तालाब और 5 कुओं को छोड़कर बाकी सभी अधिकतर गर्मी के मौसम में सूख जाते हैं। गाँव में खाने में मुख्यतः मक्का उपयोग में आता है। इसके अलावा धान, गेहूँ, ग्वार, उडद, तुअर, चने और सरसों की खेती की जाती है। यह खेती भी वही लोग कर पाते हैं, जिनके बोरवेल या कुओं में पानी की आवक रहती है। खेती में उपजा अनाज साल के 5 माह ही चल पाता है। इसके पश्चात खाने के लिए राशन की आपूर्ति का विकल्प सरकारी गेहूँ है। या अनाज खरीद कर लाना पड़ता है। सरकारी उचित मूल्य की दुकान पांतली में ही है। दुकान को अभी किराये के कमरे में चलाया जा रहा है। राशन की दुकान पर गेहूं मिलता है। चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है।

आवागमन की समस्या

गाँव में कुल 3 पक्की सड़कें, 1 सी.सी. सड़क और 5 कच्ची सड़क है। गाँव की अन्दर जाने वाली सड़क भी पक्की है, लेकिन गाँव के भीतरी फलों में जाने के लिए अधिकतर सी.सी और कच्ची सड़क ही है। गाँव में 2 पक्की सड़क टूट रही हैं। रामगढ़ से नारनिया जाने वाली पक्की सड़क बहुत ज्यादा टूट गयी है। सी.सी. सड़क के किनारे नालियाँ नहीं बनायी गयी है, जिसके चलते गंदगी सड़क पर फ़ैल जाती है। कच्ची सड़को और पगडण्डियों पर धूल उड़ने की समस्या आम है। साथ ही बारिश में कच्ची सड़कें कीचड़ से भर जाती हैं, जिस कारण आने-जाने में समस्या रहती है। गाँव के भीतर रहने वाले लोग कच्ची सड़क की समस्या से सबसे अधिक प्रभावित रहते हैं। खड्डों की वजह से अक्सर दुर्घटना की आशंका रहती है। गाँव के फलों में केवल निजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या फिर पैदल जाया जाता है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

पांतलीमें 2 प्राथमिक स्कूल और 1 माध्यमिक स्कूल है। सभी विद्यालयों में छात्रों की संख्या की तुलना में अध्यापकों की नियुक्ति कम की गयी है। प्राथमिक स्कूलों में अध्यापन कक्षों की संख्या कम है। दो कक्षायें एक साथ बैठ कर पढ़ती हैं। स्कूलों में खेल के मैदान और शौचालय की हालत अच्छी नहीं है। दोनों प्राथमिक स्कूलों में अध्यापक सिर्फ 4 ही हैं, जिस कारण पढाई अच्छे से नहीं हो पाती है। पढ़ाई अच्छी ना होने के कारण गाँव के बच्चों का सीखने और ज्ञान का स्तर भी काफी निम्न है। माध्यमिक स्कूल में भी अध्यापकों की नियुक्ति पूरी नहीं की गयी है। नियुक्त अध्यापक समय पर स्कूल नहीं आते या अवकाश लेकर चले जाते हैं। यहाँ खेल के मैदान की स्थिति अच्छी नहीं है। शौचालयों में पानी की सुविधा नहीं है और न ही सफाई रहती है। छात्र-छात्राओ के लिए पीने के स्वच्छ पेयजल की सुविधा नहीं है। बच्चों को हैंडपंप का फ्लोराइड वाला पानी पीना पड़ता है। उच्च शिक्षा के लिये 24 किमी दूर डूंगरपुर शहर में जाना पड़ता है। अधिकतर बच्चे कॉलेज के पास ही कमरा किराये पर लेकर रहते है। गाँव में4 आंगनवाड़िया हैं, जिनमे लोगो को ख़राब पोषाहार कों लेकर शिकायत रहती है। गाँव के लोगो को यह भी शिकायत रहती है कि पोषाहार की कालाबाजारी की जाती है। पूरा पोषाहार कभी आंगनवाड़ी में आया ही नहीं है। गाँव में एक उप स्वास्थ्य केन्द्र है, लेकिन वहाँ शौचालय और पीने के पानी की सुविधा नही है।

आजीविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

रोजगार की स्थिति भी काफी खराब है। गाँव में लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए खेती करते हैं या फिर मनरेगा में मिलने वाले काम करते हैं। गाँव के युवा जो थोड़ा बहुत पढ़ना-लिखना जानते हैं, वे उदयपुर जिले में किसी फैक्ट्री में मशीन पर काम करते हैं या गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर मुंबई में मजदूरी करने के लिये जाते हैं। जहाँ उनको ज्यादातर नमकीन की फैक्ट्री में काम मिल जाता है। गाँव में मनरेगा पर काम मिलता है। जिसमें गाँव की 80 प्रतिशत महिलायें जाती है तथा जो पुरुष यहाँ रह कर खेती करते हैं, वे भी मनरेगा में काम पर जाते हैं। वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है, वह भी 100 रूपयेतक ही दी जाती है। मनरेगा में भी काम 50-55 दिन के लिए ही मिलता है। कुछेक लोगों को काम करने के बाद मस्टररोल के रूपये नहीं मिले हैं। जिसके लिये जवाब मांगने पर पैसा बैंक खातों में स्थानान्तरण की बात कह कर टाल दिया जाता है।

सामजिक योजनाओं से वंचित

गाँव में 1 श्मशान घाट है, लेकिन यह खुले में है। उस पर टीनशेड या छत की व्यवस्था नहीं है और न ही वहाँ बैठने की कोई व्यवस्था है। गाँव में बिजली के मनमाने ढंग से आने वाले ज्यादा बिल से भी लोग परेशान रहते हैं। अक्सर बिना सूचना के बिजली काट दी जाती है। गाँव में लगभग 160 घरों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन नहीं मिला है। गाँव सभा के सर्वे के अनुसार 10 लोगों को वृद्धा पेंशन, 6 लोगों को विकलांग पेंशन, 3 महिलाओ को विधवा पेंशन और 2 महिलाओं को एकलनारी पेंशन नहीं मिल रही है।

गाँव में 22 लोगो को आवास योजना से अभी तक नहीं जोड़ा गया है। गाँव में श्रमिक कार्ड नहीं बन पाए हैं।

गाँव में उपलब्धसंसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल एनिकट तालाब कुआं हैण्डपम्प बोरवेल आर.ओ. प्लांट	बारिश का पानी रोकने के लिए 4 एनीकट बने हुए हैं, जो जर्जर स्थिति में हैं। इनमें भी पानी बारिश के समय ही रहता है, क्योंकि दरारों से पानी बह कर निकल जाता है। ज्यादातर कुएं कम गहराई होने और पानी का लेवल ज्यादा नीचे जाने से सूखे हैं। 6 हैंडपंप में पाइप खराब होने की वजह से पानी नहीं आता है। जो पेयजल स्रोत चालू हैं, उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव में सिंचाई और मवेशियों के पानी के लिये 3 तालाब है, लेकिन गर्मी में एक ही तालाब में पानी रहता है। ऐसी स्थिति में मवेशियों के पीने के पानी की समस्या हो जाती है। गर्मी में सभी जल-स्रोतों में पानी की कमी हो जाती है। अभी आर.ओ. प्लांट नया होने के कारण अच्छी हालत में है ।	गाँव वासियों के अनुसार यदि चारों एनिकट को फिर से ठीक कर बाँध की ऊँचाई बढ़ाई जाये तो पानी ज्यादा इकठ्ठा हो पाएगा। तालाबों के कीचड़ को साफ़ करके गहरा करना। इससे खेतों में सिंचाई के पानी की सुविधा अच्छी हो सकती है। खेतों में छोटे-छोटे चेक डैम बनाये जाए तो गाँव में जमीनी पानी का जलस्तर ऊँचा होगा। दूषित पानी के प्रभाव से बचाव के लिए कुछ और भी जगहों पर आर.ओ. प्लांट लगाने चाहिए।
जमीन कृषि भूमि बिला नाम भूमि चरागाह पहाड़ियाँ	खेती की जमीन ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों की ढलान वाली और पथरीली है। पानी की कमी के कारण खेती केवल बारिश के मौसम में होती है। गाँव की बिलानाम जमीन और चारागाह भूमि पर गाँव वालों ने कब्ज़ा कर रखा है। मात्र 85 बीघा जमीन ही खेती करने योग्य है। दावा फाइल्स लगाने के बाद भी जमीन के पट्टे नहीं मिले है। गाँव में चारागाह भी है, जिस पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है। जिसे चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं।	गाँवसभा के द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत अपना काम योजना के तहत ऊबड़-खाबड़ जमीनों का समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। जिस जमीन पर किसी प्रकार की उपज या पैदावार नहीं होती है, उस पर फलदार वृक्षारोपण करके गाँव को कमाई का स्रोत मिल सकता है। जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं। तालाबों की मरम्मत और एनिकट की ऊँचाई बढ़ा कर मछलीपालन किया जा सकता है ।

सड़क पक्की सड़क सी.सी. सड़क कच्ची सड़क	गाँव में 3 मुख्य पक्की सड़क है, जिसमे से 2 पक्की सड़कें टूट रही हैं। इसके अलावा 1 सी.सी. सड़क है। सी.सी. सड़क में गड्ढे पड़ गये हैं। नालियाँ नहीं बनी हैं। गंदगी होने से बीमारियाँ फैलने का डर रहता है। गाँव में जाने के लिए 5 कच्चे रास्ते भी हैं, जो की काफी ज्यादा ख़राब हालत में हैं। गाँव में आने-जाने के लिए साधन नहीं मिल पाते हैं।	यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जायें और सी.सी. सड़को को चौड़ा करके पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा आसान होगी।
प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल	गाँव में 2 प्राथमिक और 1 माध्यमिक स्कूल है। बच्चों की तुलना में अध्यापकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाती है। स्कूलों में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है। पीने के पानी की उचित एवं साफ़ व्यवस्था भी नहीं है। स्कूलों में फर्श में गड्ढे पड़ गये हैं, जिस कारण बच्चों को बैठने में दिक्कत होती है। नियुक्त अध्यापक भी समय से नहीं आते हैं।	स्कूलों के फर्श की मरम्मत करवाकर बैठने के लिए दरी और टेबल कुर्सी दी जाये। इसके अलावा स्कूल के शौचालय की भी मरम्मत करवाई जा सकती है। खेल के मैदान को समतल करके बाउन्ड्री बना कर सुरक्षित किया जा सकता है। स्कूल में पीने के पानी के लिए आर.ओ. का प्रबन्ध किया जाये। गाँव सभा के द्वारा प्रस्ताव लेकर शिक्षा विभाग को अध्यापकों की नियुक्ति के लिए ज्ञापन दिया जाये ।
शमशान घाट	गाँव का शमशान घाट खुले में है और पूरी तरह से टूट चुका है। ना तो वहां पर टीनशेड है और ना ही चबूतरा है।	नए सिरे से निर्माण करवाना और लकड़ी रखने के लिए भवन बनवाना।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि ऊबड़-खाबड़ है। सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। बरसात का पानी गाँव में रोकने के लिए 4 एनिकट और 3 तालाब हैं। सभी एनिकट जर्जर हालत	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे चेकडैम का	**तात्कालिक**

			में हैं। गहराई कम होने के कारण 2 तालाब का पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है। सिचाई के लिए नहर की सुविधा भी नहीं है। भू-जल का स्तर 250 फीट नीचे चला गया है। उन्नतशील बीज का अभाव होने से उत्पादन प्रभावित होता है। मिटटी की जाँच भी नहीं की जाती है ।	निर्माण। खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना। गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जलस्तर ऊँचा किया जा सकता है। बंद हैंडपंप को चालू करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए ।	
2	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या अध्यापकों की कमी है। जो अध्यापक अभी वर्तमान में कार्यरत हैं, वे भी समय पर नहीं आते हैं। स्कूलों में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है। बच्चों को पढ़ाने के लिए कक्षा कमरों की कमी है। पीने के पानी के लिए टंकी और शुद्ध जल की उचित व्यवस्था नही है।	गाँव में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में सभी व्यवस्थायें पूरी और अच्छी दी जाये। नए अध्यापकों की नियुक्ति की जाये और अध्यापकों को समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये। शौचालयों की मरम्मत करके पानी और सफाई की व्यवस्था हो।	**तात्कालिक**
3	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 10 कुएं और 10 हैंडपंप हैं, लेकिन आधे से ज्यादा सूखे हैं या पानी नहीं आता है। जो चालू हैं, उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव का जलस्तर 250 फीट से नीचे चला गया है। गर्मी के समय लोग बोरवेल से	जिन कुओं में पानी खत्म हो गया है, उन्हें गहरा करवाना। जो हैंडपंप बंद हो गये हैं, उनकी मरम्मत कर गहरा करवाना और शुद्ध पानी की आपूर्ति के लिए गाँव में दो आर.ओ.प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड की समस्या वाले एरिया को	**दीर्घकालिक**

			पानी सिंचाई के लिए अधिक निकाल लेते हैं, जिस कारण पानी की कमी हो जाती है ।	शुद्ध पेयजल मिल पाए। गाँव के टूटे हुए एनिकट की मरम्मत करवाना और कच्चे-पक्के चेकडैम निर्माण कराना। जिससे गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊँचा किया जा सकता है। इसके लिए गाँव सभा द्वारा बैठक में प्रस्ताव भी लिया गया है ।	
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में रास्तों की कमी है। गाँव की पक्की सड़कें टूटी हुई हैं। सबसे ज्यादा समस्या उन लोगों की है जो गाँव के अंदरूनी हिस्से में रहते हैं। जहाँ सड़कें कच्ची हैं और बारिश के समय मिट्टी कीचड़ में बदल जाती है। सी.सी. सड़कों की नालियाँ नहीं बनी हैं। सड़कें कीचड़ से भर गयी हैं और गन्दा पानी सड़कों पर फैलता है।	गाँवसभा कमेटी के गठन के बाद जहाँ-जहाँ रास्ते नहीं हैं, वहाँ के प्रस्ताव लिए गए हैं और सी.सी. सड़क मरम्मत करना और नालिया बनाना। कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना। सड़क किनारे नालियों की व्यवस्था और रोड लाइट की व्यवस्था करना।	**तात्कालिक**
5	**सरकारी योजनाओं का सही क्रियान्विति ना होना**	**व्यक्तिगत**	गाँव में आवास योजना में लोगों को मकान बनने के बाद किश्तों का भुगतान नहीं हुआ है। जिनका नाम लाभान्वितों की सूची में नहीं है, उनका नाम देकर मकान बनवाना। पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है, उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का	**तात्कालिक**

			अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है। गाँव में लोगो को शौचालय योजना के पैसे भी नहीं मिले हैं। पशुबाड़ा भी लोगों कों नहीं मिला है।	भुगतान तुरंत शुरू करवाना। गाँव में लोगो कों शौचालय और पशुबाड़ा निर्माण योजना का पूरा लाभ दिलाना ।	
6	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	राशन की दुकान गाँव में किराये के कमरे में चल रही है। खुद का भवन नहीं है। अक्सर पॉस मशीन में इन्टरनेट से कनेक्ट न होने की समस्या आती रहती है। अनाज में केवल गेहूँ दिया जाता है। शक्कर और केरोसिन त्यौहार पर मिलता है।	राशन डीलर को पाबंद कर समय पर दुकान खोलने और पूरा राशन दिलवाना और जिन लोगों को राशन नहीं मिल रहा है, उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना। राशन की दुकान का स्थान तय करके नया भवन निर्माण करवाना ।	**तात्कालिक**
7	**आंगनवाड़ी केंद्र**	**सार्वजनिक**	लोगों को ख़राब पोषाहार की शिकायत है। मिलने वाले पोषाहार की कालाबाजारी का लोगों को शक है ।	गुणवत्तापूर्ण पोषाहार उपलब्ध कराना। नयी आंगनवाड़ी निर्माण करवाना। पोषाहार की कालाबाजारी रोकना।	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths **शक्तियां**	**W- Weakness** **कमजोरी**	**O- Opportunities** **अवसर**	**T- Threats** **चुनौतियां**
आवागमन - कच्चे रास्ते सी.सी.सड़क पक्की सड़कें जमीन की उपलब्धता	अंदरूनी भागों में जाने के लिए कच्चे रास्तों को सी.सी. नहीं करना। टूटी हुई पक्की सड़क और सी.सी. सड़क की मरम्मत नहीं करना। रास्ते के लिए जमीन देने में आनाकानी करना। रास्ते के लिए आपसी विवाद। रास्तों का मानक के अनुसार निर्माण न होना।	रास्ते ठीक होने से गाँव में यातायात के साधन आ-जा सकते हैं, जिससे छोटे-मोटे व्यवसाय किए जा सकते हैं। लोगों को आने-जाने में समय की बचत होगी। रोड लाइट लगने से दुर्घटनाओं की संभावना कम हो जायेगी। नालियाँ बनने से रोड पर कीचड़ नहीं होगा और गंदगी नहीं फैलेगी ।	गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी। समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना। रास्ते के लिए आपसी विवाद का निपटारा। रास्ता निर्माण में भ्रष्टाचार पर रोक।
जल तालाब एनिकट कुआं हैंड पंप बोरवेल की उपलब्धता	गाँव में 4 एनिकट भी बने हैं, लेकिन पुराने हो गये हैं और बाँध में दरारें होने से पानी बह जाता है और गर्मी में पानी सूख जाता है। कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना। अधिकतर कुएं और हैंडपंप सूखे हैं। गाँव में जल की कमी ना हो इसके लिए गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी। सरकारी योजना और मौसम पर अधिक निर्भर रहना।	गाँव सभा में प्रस्ताव लेकर जहाँ पानी का बहाव अच्छा है, वहाँ कच्चे-पक्के चेकडैम निर्माण काम को पूरा किया जाये। बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से अगर रोका जाए तो गाँव में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है। इससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और भू-जलस्तर को भी ऊँचा किया जा सकता है। बोरवेल का उपयोग कम करके कुओं से पानी निकालना, जिससे जल	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने की कोई कार्ययोजना नहीं होना। गाँव के लोगों की उदासीनता। एनिकटों के निर्माण में पंचायत के भ्रष्टाचार को रोकना। पानी रुकने के स्थानों को लोगों के कब्जे से मुक्त कराना।

		स्तर एकदम से नीचे न जाये। गाँव सभा में इसके लिए प्रस्ताव लेना ।	
आजीविका के साधन मनरेगा में काम कृषिभूमि पशु एनिकट खाली पड़ी जमीन श्रम रोजगार के लिए प्रशिक्षण लेने के अवसर की उपलब्धता	गाँव में रोजगार के साधन का अभाव। मनरेगा में कम दिन काम मिलना और मजदूरी कम मिलना। सरकारी रोजगार प्रशिक्षण का नहीं होना एनिकटों की ऊँचाई बढ़ाना और उनकी मरम्मत कर मछली पालन नहीं करना। बागवानी के प्रति उदासीनता। खेती के लिए सिंचाई की व्यवस्था न होना।	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, चारागाह का अच्छा प्रबंधन, अच्छी नस्ल के दुधारू पशुओं का पालन, सब्जी की खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। घरेलू उद्योग भी किये जा सकते हैं। तालाबों की मरम्मत और एनिकट की ऊँचाई बढ़ाकर मछलीपालन, मधुमक्खी पालन करके भी आय बढाई जा सकती है।	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन का अभाव। खेती में उन्नतबीज का अभाव। जमीन, पहाड़ियों और जल-स्रोतों के बेहतर प्रबंधन की कमी। नालों पर किये गए कब्जों को हटाना। पंचायत द्वारा पानी के लिए कराये जा रहे कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाना। सिंचाई का प्रबंधन करना। मनरेगा के भ्रष्टाचार को रोकना।
भूमि की उपलब्धता	गाँव की खाली पड़ी बिलानाम जमीन और पथरीली जमीन का समुचित प्रबन्धन नहीं होना। सभी लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना। लोगो के पास उनके कब्जे की जमीन के पट्टे ना होना। खेती में रासायनिक खाद का अधिक प्रयोग। मिटटी की जाँच नहीं करवाना। पानी के खारेपन से मिट्टी कठोर हो रही है।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना। कम पानी की फसल उगाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव। खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

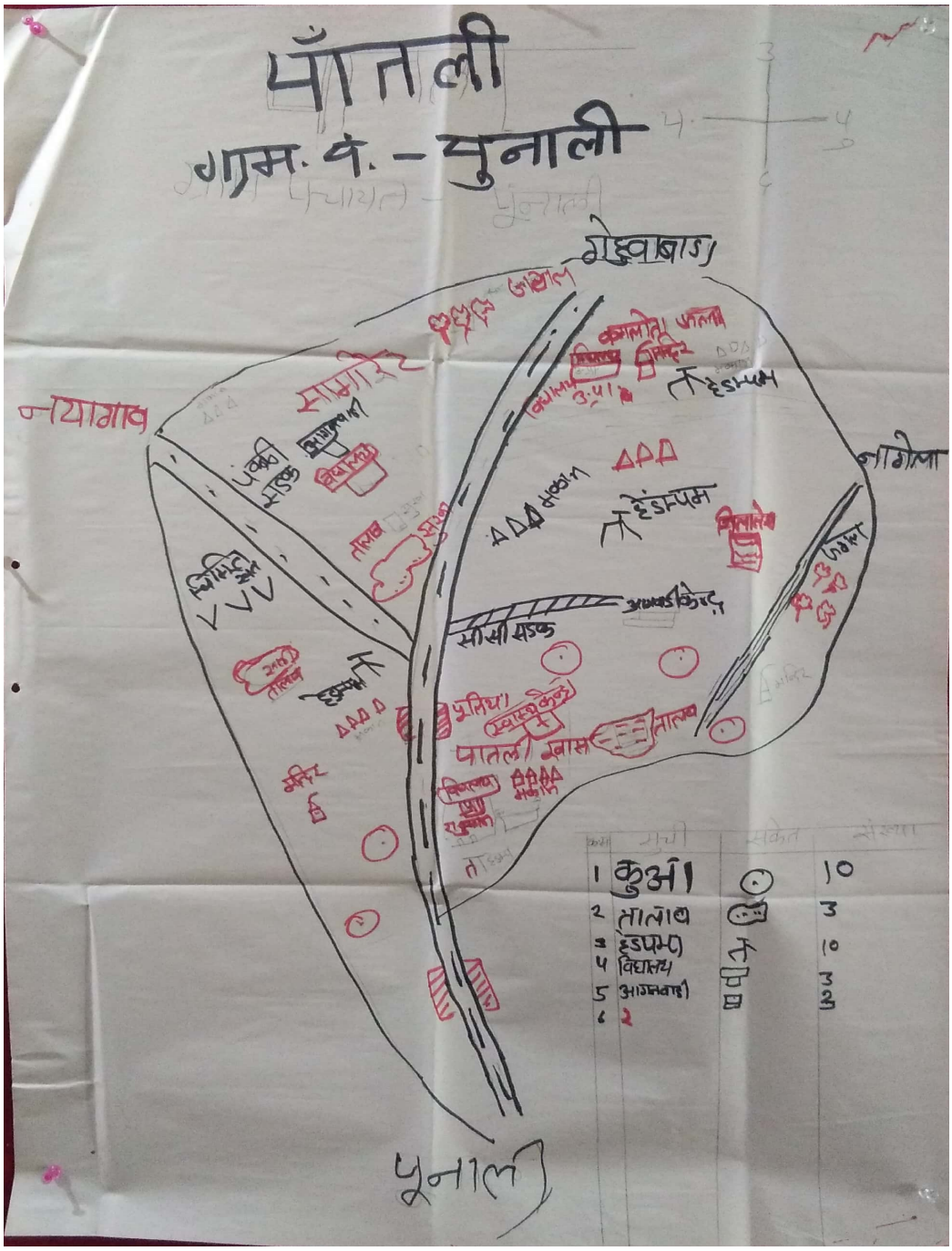

- **गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्योका विवरण -**

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पेंशन के संबंध में वृद्धा पेंशन विधवा पेंशन एकलनारी पेंशन विकलांग पेंशन	 **10** **3** **2** **6**
पी.एम., सी.एम. आवास योजना	24
शौचालय बकाया भुगतान	4
स्कूल के संबंध में रा. प्रा. वि. पांतली और समारेट फला में चार-चार अध्यापकों की नियुक्ति तीन-तीन कमरों का निर्माण पनघट योजना के तहत शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था के लिए आर.ओ. शौचालय निर्माण	4
आंगनबाड़ी निर्माण डूंगरी होली चौक फले में नई आंगनवाड़ी निर्माण डूंगरी हागड़ा फला में नई आंगनवाड़ी निर्माण फूटी तलाई तथा समारेट आंगनवाड़ी मरम्मत शौचालय निर्माण	5
स्वास्थ्य केंद्र के संबंध में दो स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति	1
राशन की दुकान के लिए भवन निर्माण	1
नया सामुदायिक भवन निर्माण माध्यमिक विद्यालय के पास भैरव जी मंदिर के पास वोर पाटला फला आंगनवाड़ी के पास **सामुदायिक भवन मरम्मत** धूणी माता मंदिर के पास सामुदायिक भवन मरम्मत समारेटा फला सामुदायिक भवन मरम्मत	5
तलावडी गहरीकरण व रिन्गवाल	
रास्ता निर्माण सी.सी. सड़क	 16

ग्रेवल सड़क पक्की सड़क	 1
<u>केटेगरी 4 के कार्य</u> खेत समतलीकरण व मेड़बंदी, रिंगवाल नया कुआं / कुआं गहरीकरण मरम्मत एवं पशुवाडा निर्माण खेत तलावडी	54
<u>वृक्षारोपण</u>	46
<u>हैंडपंप</u> के संबंध में <u>हैंडपंप नए</u> <u>पुराने हैंडपंप मरम्मत</u>	 20 8
चेकडेम निर्माण	28
<u>एनिकट निर्माण</u>	5
आर. ओ. प्लांट	9
सोम कमला बाँध से पीने के पानी की आपूर्ति पूरे गाँव में करने के संबंध में	1
शमशान घाट के संबंध में पांतली शमशान घाट का समतलीकरण और परकोटा निर्माण समारेट फल शमशान घाट की मरम्मत और समतलीकरण	2
काबिज भूमि पर व्यक्तिगत दावे के संबंध में	1
आपसी विवाद निपटारा के संबंध में	1
सामाजिक कुरीतियों पर रोक के संबंध में बाल श्रम बाल विवाह डायन प्रथा मौताणा	1

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया -

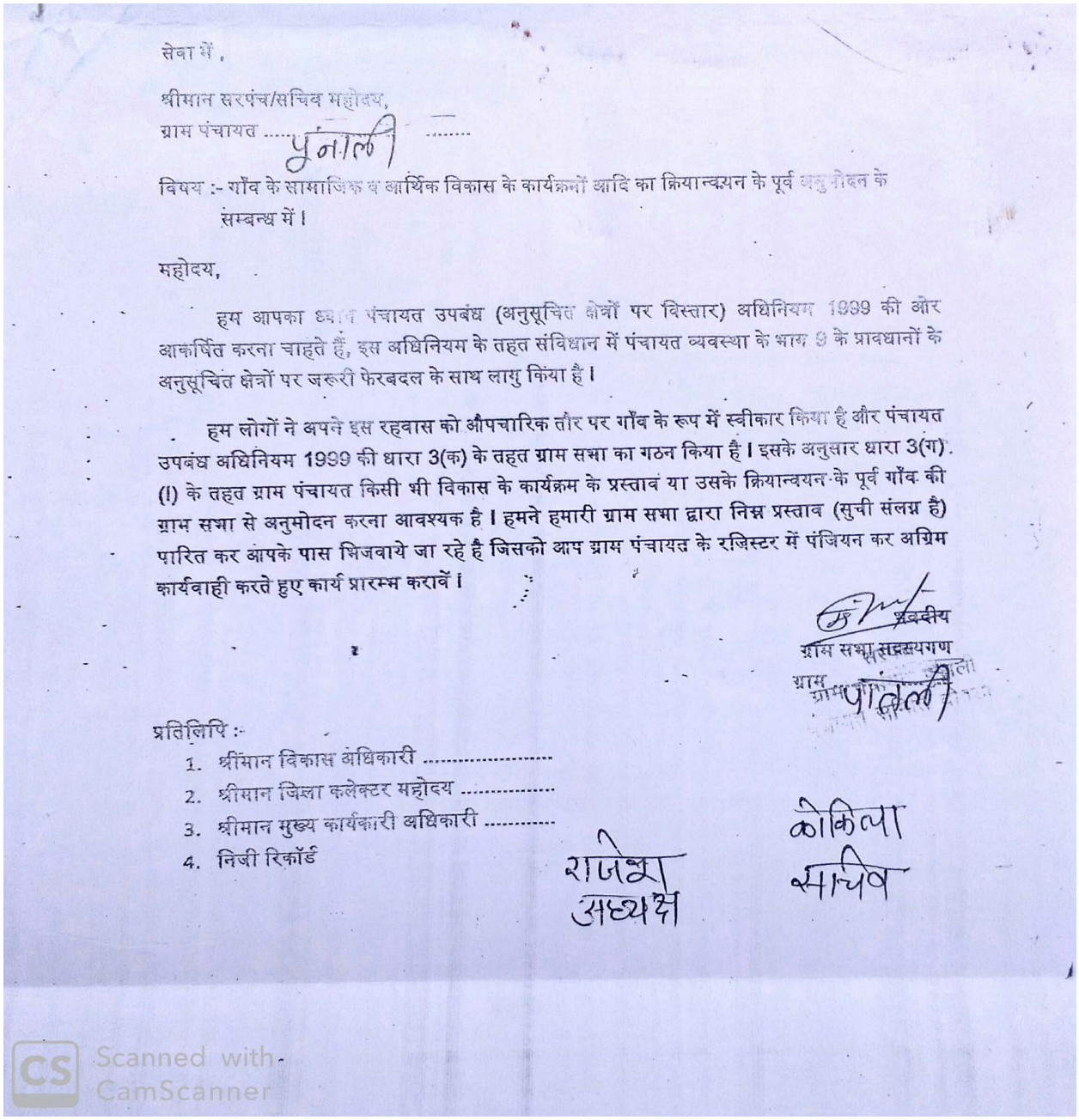

सेवा में ,

श्रीमान सरपंच/सचिव महोदय,
ग्राम पंचायत ......पुनाली ....

विषय :- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के संम्बन्ध में ।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, इस अधिनियम के तहत संविधान में पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है ।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गाँव के रूप में स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम 1999 की धारा 3(क) के तहत ग्राम सभा का गठन किया है । इसके अनुसार धारा 3(ग) (I) के तहत ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है । हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है) पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर में पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें ।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम पुनाली

प्रतिलिपि :-

1. श्रीमान विकास अधिकारी ....
2. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय ....
3. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी ....
4. निजी रिकॉर्ड

राजेश
अध्यक्ष

कोकिला
सचिव

Scanned with CamScanner

प्रस्ताव कवरिंग लेटर

Date
Page

पेसा कानून 1996, राजस्थान सरकार अधिनियम 1999, नियम 2011 के अंर्तगत पातली गाँव की गाँव सभा आज दिनाक- 8/7/2018 को धोणी माता चबूतरे पर आयोजन की गई। बैठक मे उपस्थित गाँव वासियो ने श्री सोमेश्वर जी अटार को अध्यक्ष चुना गया जिनकी अध्यक्षता मैं गाँव सभा कार्यवाही की गई। गाँव सभा बैठक मे निम्नलिखित प्रस्तावो पर चर्चा करके उनका अनुमोदन किया गया।

एजेण्डा :-

[1] पेशन के सम्बध मे :-
(अ) वृद्धा पेशन
(ब) विधवा पेशन
(स) एकलनारी पेशन
द विकलांग पेशन
[2] पी॰एम॰ और सी॰एम॰ आवास के सम्बध में :-
[3] शौचालय भुगतान के सम्बध मे :-
[4] स्कूल के सम्बध मे :-
(अ) अध्यापको की नियुक्ति
(ब) कक्षा कक्ष निर्माण
(स) शुद्ध पानी की व्यवस्था

[5] आगनवाडी के सम्बध मे :- (डुगरी होली चौक पर)
(अ) शौचालय निर्माण
(ब) नई आगनवाडी खोलने के सम्बध मे
[6] स्वास्थ केन्द्र के सम्बध में :-
(अ) स्वास्थ केन्द्र पर स्वास्थ कर्मी की आवश्यकता

[7] राशन की दुकान का भवन निर्माण :- पंचायत भवन के पास पातली

[8] सामुदायिक भवन निर्माण के सम्बध मे :- (माध्यमिक विघाल के पास पुराना कोटा)।

Scanned with CamScanner

प्रस्ताव प्रथम पेज

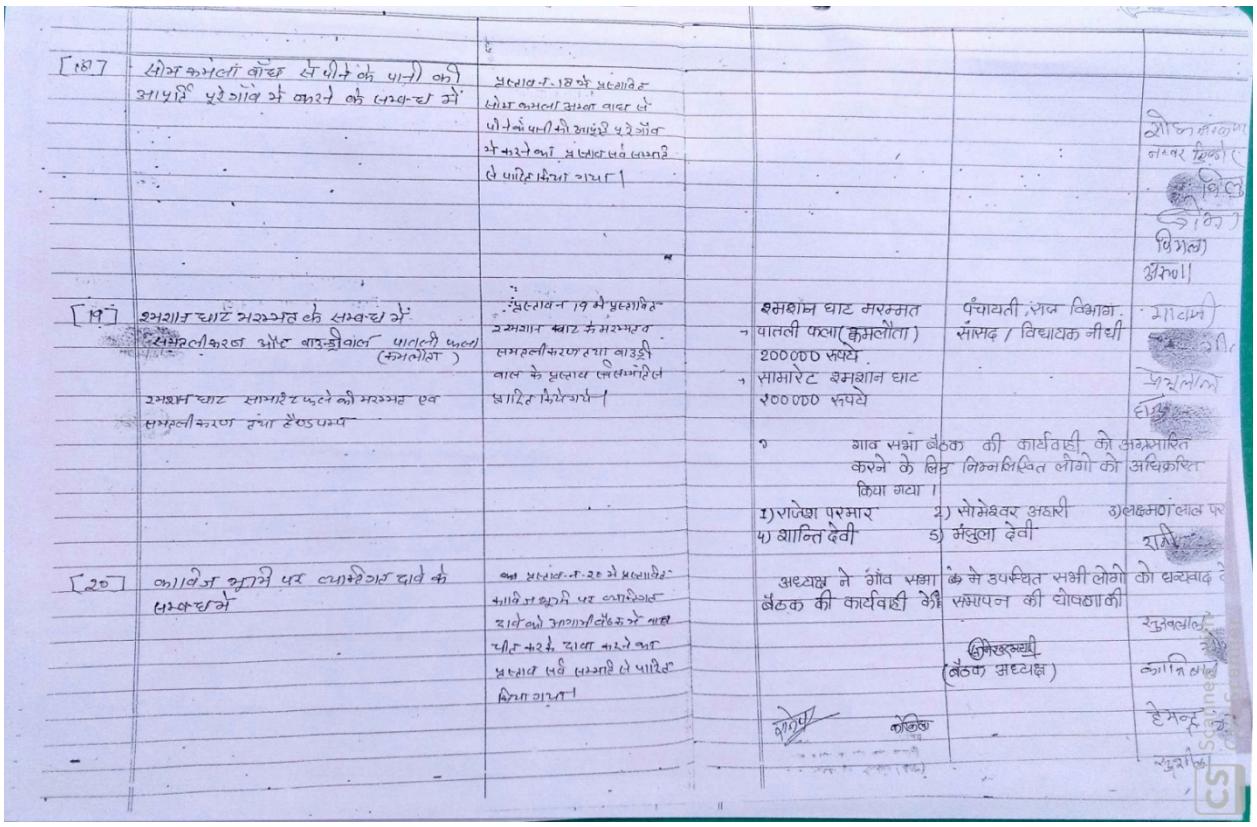

प्रस्ताव अंतिम पेज

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1. मंजू/नटवर लाल परमार - 8003346770
2. नानी/भेमजी परमार - 7742434425
3. शांति/शंकरलाल परमार - 9799861283
4. दिनेश/गटूलाल परमार - 9636434211
5. राजेश/धूलेश्वर परमार - 9636145315